

(b) if not, at what stage the matter stands at present?

The Minister of Mines and Fuel (Shri K. D. Malaviya): (a) and (b). The dispute between the Indian Mining Association and the Government of West Bengal is pending before the High Court of Calcutta.

Scarcity of Explosives for Mining Industry

2017. Shri P. C. Borooah: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the complaint of the Indian Mining Association voiced at their recent Annual General Meeting held in Calcutta, pointing to the suffering of the Mining Industry for want of adequate quantity of explosives;

(b) if so, the demand of the Industry for explosives during 1961 and 1962 and how far it was met; and

(c) the steps being taken by Government to improve the supplies during 1963?

The Minister of Mines and Fuel (Shri K. D. Malaviya): (a) Yes.

(b) The demand of the Coal Industry for explosives during the years 1961 and 1962 was:

	1961	1962
(i) Non-permitted explosives	1800 tonnes	2150 tonnes
(ii) Permitted explosives	2500 tonnes	3800 tonnes
(iii) Electric (approved detonators)	10.5M Numbers	12.0 M Numbers
(iv) Ordinary detonators	10.8M Numbers	12.5 M Numbers

Except for a temporary shortage in July, 1962, the demand of the Indus-

try was met during the above two years.

(c) A close watch is being kept over the position of demand and supply of explosives to the Mining Industry.

Confirmation of Upper Division Clerks

2018. { Shri Yashpal Singh:
Shri Mohammad Elias:
Shri H. N. Mukerjee:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether all the persons appointed to Grade I (U.D.C.) of the Clerical Scheme in 1954 have since been confirmed in their posts; and

(b) if not, the number of persons who have not so far been confirmed and the reasons therefor?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis):

(a) and (b). Various Ministries and Departments are concerned with the information asked for. The information is, therefore, not readily available. However the position regarding confirmation of persons in Grade I (U.D.C.) is explained in the statement laid on the Table of the House. [Placed in the Library, see No. LT-1152/63].

नाहन में राजकीय डिग्री कालेज

{ श्री भक्त दर्शन :
२०१६. { श्री भागवत झा आजाद :
श्री प्रताप सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री ६ सितम्बर १९६२ के अतारंकित प्रश्न संख्या २४२६ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के नाहन स्थान पर एक राजकीय डिग्री कालेज खोलने के संबंध में क्या निश्चय किया गया है ;

(ख) क्या यह सच कि नाहन में ही एक प्राइवेट सहायता प्राप्त डिग्री कालेज कुछ वर्षों से चलता आ रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो उपरोक्त भाग (क) के बारे में अन्तिम निश्चय करते समय उस पहिले वाले कालेज के भाग्य का क्या फेसला किया जा रहा है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली)

(क) हिमाचल प्रदेश प्रशासन का नाहन में एक राजकीय डिग्री कालेज स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है ।

(ख) जी हां ।

(ग) नाहन के वर्तमान कालेज की प्रबन्ध समिति अगले शैक्षणिक वर्ष (१९६३-६४) से संस्था को बंद करने का निश्चय किया है ।

अखिल भारतीय सेवाओं में [विभागीय]
उम्मीदवार :

२०२०. { श्री भक्त वर्दान :
श्री भागवत झा आजाद } :

क्या गृह-कार्य मंत्री १० नवम्बर, १९६२ के अतारंकित प्रश्न संख्या २३२ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा अन्य सम्बद्ध सेवाओं तथा प्रतियोगिता परिक्षाओं में सफल होने वाले द्वितीय श्रेणी के विभागीय उम्मीदवारों की नियुक्तियों में बराबरी की सुविधायें देने के जिस प्रश्न पर विचार किया जा रहा था, उसके बारे में क्या निश्चय किया गया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हजरतबीस) : संभवतः सदस्य महोदय का आशय प्रथम श्रेणी की नियुक्तियों से है । इस प्रश्न पर संघ लोक सेवा आयोग की सलाह से विचार किया गया था तथा उन्हें प्रथम श्रेणी की सेवाओं में नियुक्त नहीं किया जा सका क्योंकि वे द्वितीय श्रेणी की सेवाओं में नियुक्ति के लिये ही पात्र हैं तथा संघ लोक सेवा आयोग ने उनको केवल ऐसे पदों के लिये ही योग्य बताया था ।

262(Ai)LSD—3.

सीमेंट की जगह काम आने वाली
वस्तु

२०२१. श्री योगेन्द्र झा : क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्था ने सीमेंट की जगह चपयोग में आने लायक एक दूसरी वस्तु का अनुसंधान कर लिया है,

(ख) यदि हां, तो क्या इसके बड़े पैमाने पर उत्पादन का कार्यक्रम तैयार किया गया है ; और

(ग) अब तक की प्रगति का विवरण क्या है ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य मंत्री (श्री हुमायून कबिर) : (क) यह पता चला है कि चूने के साथ मिली सुघरी हुई अभिक्रियाशील सुर्खी का उपयोग राज-गीरी के काम में सीमेंट की जगह किया जा सकता है ।

(ख) और (ग). जी नहीं । उसके उत्पादन में रुचि लेने वाली पार्टियों को-तकनीकी सलाह और मदद दी गयी है ।

हायर सैकेंडरी स्कूल, मालवीय नगर

२०२२. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या शिक्षा मंत्री २१ जून, १९६२ के अतारंकित प्रश्न संख्या ३७३० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लड़कों के हायर सैकेंडरी स्कूल मालवीय नगर, नई दिल्ली में इमारत को बढ़ाने और उस में बिजली लगाने के बारे में क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) देर होने के क्या कारण है ?